श्रीगणेशाय नमः
दिनांक 28/12/2021 — R. Nand M.A I Sem's 03/02/2022

यह देखते हुए सामाजिक मूल्यों का ही परिणाम है कि आजकल लड़के बाल बढ़ाते हैं तथा लड़कियाँ बाल कटाती हैं।

3. सामाजिक आर्थिक स्थिति में परिवर्तन (changes in socio-economics status) — भारतीय समाज में सामाजिक परिवर्तन की अभिव्यक्ति यहाँ के लोगों के बदले हुए सामाजिक-आर्थिक स्थिति से भी पता चलता है। पहले के भारतीय समाज में सामाजिक प्रतिष्ठा जाति पर आधारित थी परन्तु आधुनिक समय में सामाजिक प्रतिष्ठा जाति पर नहीं बल्कि धन एवं सम्पत्ति पर आधारित है। आजकल लोग यह समझते हैं कि धन ही सबसे बड़ी प्रतिष्ठा है। पहले के समाज में ब्राह्मणों को समाज में सबसे ऊँचा स्थान प्राप्त था तथा सबसे निचले स्तर पर शुद्र थे। परन्तु आजकल सामाजिक प्रतिष्ठा में जाति का प्रभाव समाप्त हो गया है। आजकल शुद्र के भी चरण स्पर्श के लिए ब्राह्मणों की कतार देखी जाती है। स्पष्ट है कि भारतीय समाज में सामाजिक परिवर्तन से सामाजिक-आर्थिक स्थिति में काफी परिवर्तन आ गया है।

4. ⇒ पारिवारिक स्थिति में परिवर्तन (changes in family status) — भारतीय सामाजिक परिवर्तन की अभिव्यक्ति भारतीय परिवारों की बदली हुई स्थिति से भी होती है। यह सामाजिक परिवर्तन का ही प्रभाव है कि आज भारतीय समाज से संयुक्त परिवार (joint family) का अस्तित्व लुप्त हो गया है और उसके जगह